



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2021 / 175(67 / 21)

दर्ज तिथि:-03.08.2021

1. प्रभु पुत्र पूनमा फौत के कायम मुकाम
1/1 जगदीश कुमार पुत्र प्रभु
1/2 जितेन्द्र कुमार पुत्र प्रभु
1/3 नारणाराम पुत्र प्रभु
2. वगता पुत्र शंकरा
3. किशन पुत्र शंकरा
4. खीमाराम पुत्र शंकरा
5. मदन पुत्र शंकरा
6. अर्जुन पुत्र शंकरा
7. शायरा पत्नी शंकरा
जाति लवार निवासी गुडामालानी जिला बाड़मेर

बनाम

1. भंवराराम पुत्र रामा
2. कानाराम पुत्र रामा
3. पानी पत्नी रामा
जाति लवार निवासी गुडामालानी
4. तहसीलदार गुडामालानी
5. किशनाराम पुत्र मेताराम
जाति विश्नोई निवासी गुडामालानी
6. बगदाराम पुत्र बिजलाराम
जाति रबारी निवासी जुड़ी
7. पुखराज पुत्र छोगाराम
जाति पुरोहित निवासी मघाणी मेघवालों की ढाणी (रतनपुरा)

.....वादी

..... प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री डालुराम चौधरी

प्रतिवादीगण:- श्री रामजीवन विश्नोई

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955



—:निर्णय:—

निर्णय तिथि:-04.07.2025

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 1598/04 बीघा 04 बिस्वा, 1821/21 बीघा 02 बिस्वा मौजा गुड़ामालानी, खसरा संख्या 1598/2/01 बीघा 13 बिस्वा मौजा कांधी की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में वादीगण के हिस्से खुले हुए हैं तथा आराजी संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकॉर्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है। असल प्रतिवादीगण वादीगण की उक्त हिस्सा आराजी के कुल कार्य काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करते हैं एवं जबरन लठ के बल कब्जा कर वादी को अपने हिस्सा आराजी से बेदखल कर निर्माण कार्य, दीगर लोगों रहन बैय मुन्तकिल करना चाहते हैं। अंत में वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा किया जाकर कुर्रेजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादी को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।
2. वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। बावजूद विधिवत तामिल प्रतिवादीगण के हाजिर न्यायालय नहीं होने से प्रतिवादीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। तत्पश्चात् वादी अधिवक्ता की बहस पर दिनांक 23.12.2019 को प्रारम्भिक निर्णय व पर्चा डिक्री जारी किया गया। जिस पर भू-धारक तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/183 दिनांक 24.01.2025 द्वारा विभाजन प्रस्ताव/कुर्रेजात रिपोर्ट प्रस्तुत किया। प्रकरण में प्रतिवादी संख्या 05 असालतन-वकालतन उपस्थित न्यायालय हुए। तत्पश्चात् दोनों पक्षों के अधिवक्तागण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/183 दिनांक 24.01.2025 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए निवेदन किया गया कि उक्त मौका रिपोर्ट में खसरा संख्या 1598 का विभाजन मुताबिक प्राथमिक डिक्री प्राप्त नहीं हुई है। साथ ही पक्षकारान द्वारा खसरा संख्या 1598 का सहमति विभाजन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अभिभाषक उभयपक्षकारान की बहस सुनी गई। अभिभाषक उभयपक्षकारान द्वारा खसरा संख्या 1598 का विभाजन सहमति विभाजन प्रस्ताव अनुसार तथा खसरा संख्या 1621 का विभाजन मुताबिक तहसीलदार गुड़ामालानी की रिपोर्ट अनुसार किये जाने पर सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/183 दिनांक 24.01.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
-------------------------	---------------------

<p>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields. - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 16.12.2024 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारों को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 1092-95 दिनांक 10.12.2024 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 16.12.2024 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 1092-95 दिनांक 10.12.2024 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 16.12.2024 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

3. प्रकरण में वादीगण द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई। सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2072-2076 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या 1598/04 बीघा 04 बिस्वा, 1821/21 बीघा 02 बिस्वा मौजा गुड़ामालानी जिला बाड़मेर के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति तथा पक्षकारान द्वारा खसरा संख्या 1598 के संबंध में प्रस्तुत सहमति विभाजन प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा- ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।
4. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

188. Injunction against wrongful ejection—

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

- (b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;
(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.
(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

5. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए हैं। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

6. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।
7. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास

नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजीखसरा संख्या 1598/04 बीघा 04 बिस्वा, 1821/21 बीघा 02 बिस्वा मौजा गुड़ामालानी, खसरा संख्या 1598/2/01 बीघा 13 बिस्वा मौजा कांधी की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
अर्जुन पुत्र शंकरा हि0 1/6 किशन पुत्र शंकरा हि0 1/6 खीमा पुत्र शंकरा हि0 1/6 मदन पुत्र शंकरा हि0 1/6 वगता पुत्र शंकरा हि0 1/6 सायरा पत्नी शंकरा हि0 1/6 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1821	1.1385	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 1.1385 है0				
जगदीश कुमार पुत्र प्रभू हि0 1/3 जितेन्द्र कुमार पुत्र प्रभू हि0 1/3 नारणाराम पुत्र प्रभू हि0 1/3 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1821 1598	1.1386 0.2266	बा0दो0 बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.3652 है0				
बगदाराम पुत्र बिजलाराम हि0 पूर्ण जाति रबारी सा0 जूडी खातेदार	गुड़ामालानी	1821	1.1385	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 1.1385 है0				
किशना पुत्र शंकरा हि0 1/2 मदन पुत्र शंकरा हि0 1/2 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.0755	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0755 है0				
किशनाराम पुत्र जेताराम हि0 पूर्ण जाति विश्नोई सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.2266	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.2266 है0				
पुखराज पुत्र छोगाराम हि0 पूर्ण जाति पुरोहित सा0 मघाणी मेघवालों की ढाणी खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.0378	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0378 है0				
भंवराराम पुत्र रामा हि0 2/3 पानी पत्नी रामा हि0 1/3 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.1134	बा0दो0

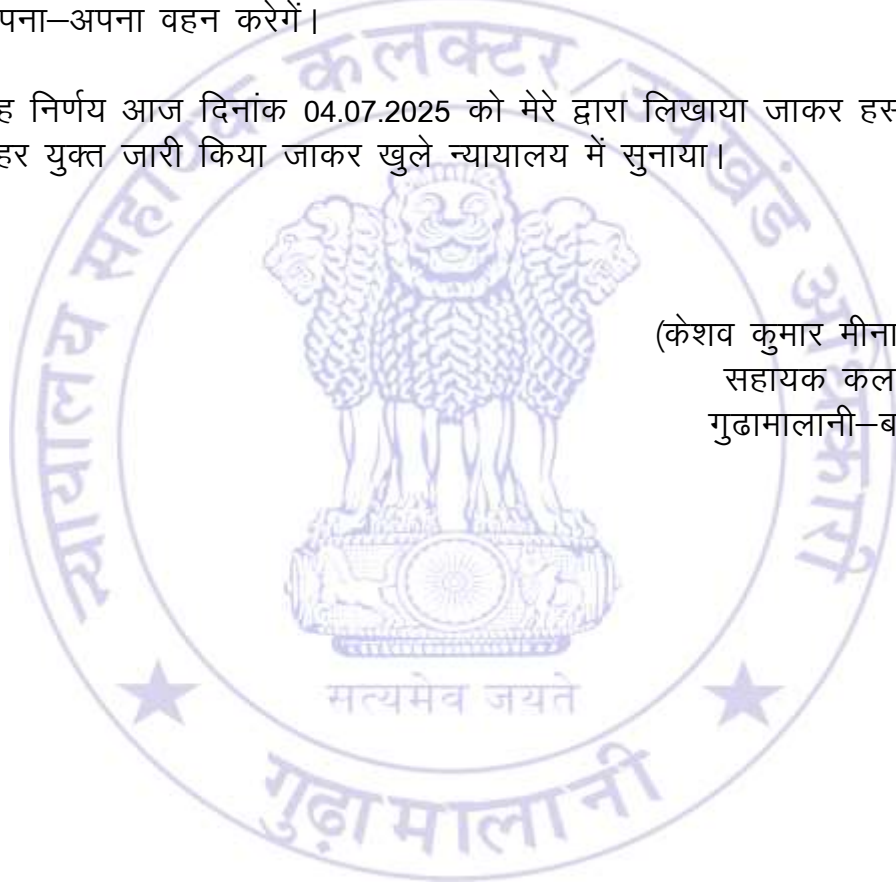
कुल किता 01 रकबा 0.1134 है0

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात तथा पक्षकारान सहमति नक्शा खसरा संख्या 1598 निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुड़ामालानी-बाड़मेर





न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2021 / 175(67 / 21)

दर्ज तिथि:-03.08.2021

1. प्रभु पुत्र पूनमा फौत के कायम मुकाम
1/1 जगदीश कुमार पुत्र प्रभु
1/2 जितेन्द्र कुमार पुत्र प्रभु
1/3 नारणाराम पुत्र प्रभु
2. वगता पुत्र शंकरा
3. किशन पुत्र शंकरा
4. खीमाराम पुत्र शंकरा
5. मदन पुत्र शंकरा
6. अर्जुन पुत्र शंकरा
7. शायरा पत्नी शंकरा
जाति लवार निवासी गुडामालानी जिला बाड़मेर

बनाम

1. भंवराराम पुत्र रामा
2. कानाराम पुत्र रामा
3. पानी पत्नी रामा
जाति लवार निवासी गुडामालानी
4. तहसीलदार गुडामालानी
5. किशनाराम पुत्र मेताराम
जाति विश्नोई निवासी गुडामालानी
6. बगदाराम पुत्र बिजलाराम
जाति रबारी निवासी जुड़ी
7. पुखराज पुत्र छोगाराम
जाति पुरोहित निवासी मघाणी मेघवालों की ढाणी (रतनपुरा)

.....वादी

..... प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री डालुराम चौधरी

प्रतिवादीगण:- श्री रामजीवन विश्नोई

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान
काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी

व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजीखसरा संख्या 1598/04 बीघा 04 बिस्वा, 1821/21 बीघा 02 बिस्वा मौजा गुड़ामालानी, खसरा संख्या 1598/2/01 बीघा 13 बिस्वा मौजा कांधी की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
अर्जुन पुत्र शंकरा हि0 1/6 किशन पुत्र शंकरा हि0 1/6 खीमा पुत्र शंकरा हि0 1/6 मदन पुत्र शंकरा हि0 1/6 वगता पुत्र शंकरा हि0 1/6 सायरा पत्नी शंकरा हि0 1/6 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1821	1.1385	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 1.1385 है0				
जगदीश कुमार पुत्र प्रभू हि0 1/3 जितेन्द्र कुमार पुत्र प्रभू हि0 1/3 नारणाराम पुत्र प्रभू हि0 1/3 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1821 1598	1.1386 0.2266	बा0दो0 बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.3652 है0				
बगदाराम पुत्र बिजलाराम हि0 पूर्ण जाति रबारी सा0 जूड़ी खातेदार	गुड़ामालानी	1821	1.1385	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 1.1385 है0				
किशना पुत्र शंकरा हि0 1/2 मदन पुत्र शंकरा हि0 1/2 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.0755	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0755 है0				
किशनाराम पुत्र जेताराम हि0 पूर्ण जाति विश्नोई सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.2266	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.2266 है0				
पुखराज पुत्र छोगाराम हि0 पूर्ण जाति पुरोहित सा0 मघाणी मेघवालों की ढाणी खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.0378	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0378 है0				
भंवराराम पुत्र रामा हि0 2/3 पानी पत्नी रामा हि0 1/3 जाति लोहार सा0 देह खातेदार	गुड़ामालानी	1598	0.1134	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.1134 है0				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक

खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात नक्शा कुर्रेजात तथा पक्षकारान सहमति नक्शा खसरा संख्या 1598 निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढामालानी-बाड़मेर

